केन्द्रीय विद्यालय संघठन गुवाहटी सम्भाग कोड सं.110302 SET-1		
विषय- हिन्दी	**अर्धवार्षिक परीक्षा (सत्र 2018-19)**	**अवधि-3 घंटे**
कक्षा- बारहवीं		**अंक – 80**

- **सभी प्रश्नों के अंक सामने दिए हुए हैं ।**
- **निर्देशों का पालन करें |**
- **स्वच्छता पर ध्यान दें |**
- **इसमे कुल तीन खंड हैं |**
- **प्रश्नों की कुल संख्या चौदह है |**
- **सभी प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार लिखिए**
- **श्रवण तथा वाचन =10 अंक**
- **परियोजना कार्य =10 अंक**

	(खंड-क) अपठित अंश =16 अंक	
प्र. -1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ्कर पूछे गए प्रश्नोँ के उत्तर दीजिए – शरीर के लिए श्रम आवश्यक है। इसलिए आवश्यक नहीं कि शरीर स्वस्थ रहे बल्कि इसलिए कि वह जीवित रहे। शरीर को गतिशील बनाए रखने के लिए अपने श्रम से हमें कई चीजें पैदा करनी होंगी। हमारे लिए दूसरे ने जो परिश्रम किया है,अब मात्र उसके सहारे जीवित रहने का अधिकार नया समाज स्वीकार नहीं करेगा। बाप-दादों के पुश्तैनी पैसों से जीवित रहने की बुरी आदत हमने वर्षों से पाल रखी है। उसने न केवल हमारे शरीर को निकम्मा बनाया है, बल्कि हमें लालची भी बना दिया है। किसी भलेमानस के लिए यह लज्जा की बात होनी चाहिए कि वह उससे अपना पेट भरे जिसके लिए उसने स्वयं परिश्रम नहीं किया।श्रम के आवश्यक नियमों के अभाव में हम मज़दूर-मालिक, अमीर-गरीब, सेठ-असामी के चुभते भेदों के शिकार हो गए हैं। इनसे अपना पिंड छुड़ाना पड़ रहा है।श्रम की नींव पर बनने वाला जीवन भीतर से संतोष देता है। आर्थिक बँटवारे को न्यायपूर्ण बनाता है। ईष्र्या, लोभ,बेईमानी आदि बुराइयों से लोगों को बचाता है।	**अंक=12**
1	श्रम के नियमों के अभाव में समाज की क्या स्थिति हुई ?	**2**
2	शरीर के लिए श्रम क्यों आवश्यक है?	**2**
3	पुश्तैनी संपत्ति के भरोसे पर जीवन-यापन करने को लेखक ने बुरा क्यों कहा है?	**2**
4	श्रम की नींव पर बनने वाला जीवन उत्तम क्यों बताया जाता है?	**2**
5	इस गद्यांश के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है?	**2**
6	गद्यांश से चार तत्सम शब्द छांटकर लिखिए		**1**
7	गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।	**1**
प्र.-2	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ्कर पूछे गए प्रश्नोँ के उत्तर दीजिए |** क्या क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये , क्या विद्युत के नर्तन मुझे न साथी रोक सकेंगे,सागर के गर्जन-तर्जन| मै अविराम पथिक अलबेला, रुके न मेरे कभी चरण, शूलों के बदले फूलों का, किया न मैंने कभी चयन| मै विपदाओं में मुस्काता नवाषा के दीप लिए, फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, जीवन के उत्थान-पतन| मै अटका कब, कब विचलित मै, सतत डगर मेरी संबल, रोक सकी पगले कब मुझको यह युग की प्राचीर निबल| आंधी हो, ओले-वर्षा हो, राह सुपरिचित हो मेरी, फिर मुझको क्या डरा सकेंगे ये जग के खंडन-मंडान| मुझे डरा पाए कब अंधड़, ज्वालामुखियों के कंपन, मुझे पथिक कब रोक सके हैं, अग्रशिखाओं के नर्तन | मै बढ़ता अविराम निरंतर तन-मन में उन्माद लिए, फिर मुझको क्या दारा सकेंगे, ये बादल विद्युत नर्तन|	**4**
1	कविता का मूलभाव क्या है?	**1**
2	'शूलों के बदले फूलों का, किया न मैंने कभी चयन' आशय स्पष्ट कीजिए|	**1**
3	इस कविता में कवि की कौन सी विशेषताएं नजर आती है?	**1**

4	मेघ,विद्युत, बादल आदि किसके प्रतीक है?	**1**
	(खंड-ख) कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन = 20 अंक	
प्र.-3	अनुच्छेद लेखन निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 1. राष्ट्र-निर्माण में युवा पीढ़ी का योगदान 2. इंटरनेट : सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव 3. महानगरीय जीवन की चुनौतियां 4. लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका	**5**
प्र. -4	पत्र लेखन। अपने क्षेत्र में बिजली-संकट से उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करते हुए अधिशासी अभियन्ता विद्युत-बोर्ड को पत्र लिखिए। **अथवा** हड़ताल के कारण जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव पर विचार व्यक्त करते हुए किसी समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।	**5**
प्र.-5	निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर जनसंचार माध्यम के आधार पर दीजिए।	**1*4=4**
1	संचार से आप क्या समझते हैं?	
2	हिंदी का पहला साप्ताहिक पत्र किसे माना जाता है,तथा उसके संपादक कौन थे ?	
3	डेडलाइन किसे कहते हैं ?	
4	आधुनिक छापाखाने का आविष्कारक कौन थे ?	
प्र. -6	आलेख/ पुस्तक समीक्षा 'समाज में बढ़ते अपराध' विषय पर एक आलेख लिखिए। **अथवा** आपने हाल ही में जो पुस्तक पढी है उसकी समीक्षा लिखिए।	**3**
प्र. –7	फीचर लेखन। 'महँगाई के बोझ तले मजदूर' अथवा 'वाहनों की बढ़ती संख्या' विषय पर एक फीचर लिखिए।	**3**
	(खंड-ग) पाठ्यपुस्तक = 44 अंक	
प्र. -8	निम्नलिखित काव्यांश को पढकर पूछे गए तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए। "कविता की उड़ान है चिड़िया के बहाने कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने बाहर भीतर इस घर ,उस घर कविता के पंख लगा उड़ने के माने चिड़िया क्या जाने?" 1. चिड़िया की उड़ान एवं कविता की उड़ान में क्या समानता है? 2. कविता की उड़ान चिड़िया की समझ से परे क्यों है? 3. "बच्चे की उछल-कूद. सब घर एक कर देना' एवं 'कवि का कविता लिखना' दोनों मे क्या समानता एवं विषमता है? **अथवा** " ज़िंदगी में जो कुछ भी है सहर्ष स्वीकारा है ; इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है वह तुम्हें प्यारा है। गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सबयह वैभव विचार सब दृढ़ता यह,भीतर की सरिता यह अभिनव सब मौलिक है, मौलिक है इसलिए कि पल-पल में जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है- संवेदन तुम्हारा है!"	**2*3=6**

	1. कवि और कविता का नाम लिखिए| 2. गरबीली गरीबी,भीतर की सरिता आदि प्रयोगों का अर्थ स्पष्ट कीजिए | 3. कवि अपने प्रिय को किस बात का श्रेय दे रहा है ?	
प्र. -9	**काव्यांश के सौन्दर्य बोध पर आधारित किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए |** "हँसते हैं छोटे पौधे लघुभार- शस्य अपार , हिल हिल खिल खिल हाथ हिलाते तुझे बुलाते। विप्लव रव से छोटे ही हैं शोभा पाते|" 1. निम्न लिखित प्रतीकों को स्पष्ट कीजिए– छोटे पौधे, सुप्त अंकुर | 2. 'हँसते हैं छोटे पौधे'-का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए | 3. छोटे ही हैं शोभा पाते' में निहित लाक्षणिकता क्या है ? **अथवा** " मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ, मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ, जग पूछ रहा उनको जो जग की गाते, मैं अपने मन का गान किया करता हूँ।" 1. कविता की इन पंक्तियों से अलंकार छाँट कर लिखिए| 2. कविता में प्रयुक्त मुहावरे लिखिए :- 3. कविता में प्रयुक्त शैली का नाम लिखें |	**2*2=4**
प्र.-10	कविताओं की विषयवस्तु पर आधारित किन्ही तीन प्रश्नों में से दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए 1. चिड़िया की उड़ान एवं कविता की उड़ान में क्या समानता है? 2. 'नादान वहीं हैं हाय जहाँ पर दाना' का क्या आशय है? 3. दूरदर्शन पर एक अपाहिज का साक्षात्कार किस उद्देश्य से दिखाया जाता है? 4. कविता के किन उपमानों को देख कर कहा जा सकता है कि उषा गाँव की सुबह का गतिशील शब्द चित्र है ?	**3*2=6**
प्र.-11	**गद्यांश पर आधारित अर्थग्रहण से सम्बन्धित तीन प्रश्नो का उत्तर लिखिए |** सचमुच ऐसे दिन होते जब गली-मुहल्ला, गाँव-शहर हर जगह लोग गरमी में भुन-भुन कर त्राहिमाम कर रहे होते, जेठ के दसतपा बीतकर आषाढ का पहला पखवाड़ा बीत चुका होता पर क्षितिज पर कहीं बादलों की रेख भी नहीं दीखती होती, कुएँ सूखने लगते, नलों में एक तो बहुत कम पानी आता और आता भी तो आधी रात को, वो भी खौलता हुआ पानी हो | शहरों की तुलना में गाँव में और भी हालत खराब थी| जहाँ जुताई होनी चाहिए थी वहाँ खेतों की मिट्टी सूखकर पत्थर हो जाती फिर उसमें पपड़ी पड़कर जमीन फटने लगती, लू ऐसी कि चलते-चलते आदमी गिर पड़े | ढोर-डंगर प्यास के मारे मरने लगते लेकिन बारिश का कहीं नाम निशान नहीं, ऐसे में पूजा-पाठ कथा-विधान सब करके लोग जब हार जाते तब अंतिम उपाय के रूप में निकलती यह इन्दर सेना | 1. वर्षा न होने पर लोगों की क्या स्थिति हो गयी थी ? 2. वर्षा के देवता कौन हैं उनको प्रसन्न करने के लिए क्या उपाय किए जाते थे ? 3. वर्षा कराने के अंतिम उपाय के रूप में क्या किया जाता था? **अथवा** परिवार और परिस्थितियों के कारण स्वभाव में जो विषमताएँ उत्पन्न हो गई हैं, उनके भीतर से एक स्नेह और सहानुभूति की आभा फूटती रहती है, इसी से उसके संपर्क में आनेवाले व्यक्ति उसमें जीवन की सहज मार्मिकता ही पाते हैं। छात्रावास की बालिकाओं में से कोई अपनी चाय बनवाने के लिए देहली पर बैठी रहती हैं, कोई बाहर खडी मेरे लिए नाश्ते को चखकर उसके स्वाद की विवेचना करती रहती है। मेरे बाहर निकलते ही सब चिड़ियों के समान उड़ जाती हैं और भीतर आते ही यथास्थान विराजमान हो जाती है। इन्हें आने में रूकावट न हो, संभवतः इसी से भक्तिन अपना दोनों जून का भोजन सवेरे ही बनाकर ऊपर के आले में रख देती है और खाते समय चौके का एक कोना धोकर	**2*3=6**

	पाक–छूत के सनातन नियम से समझौता कर लेती है। मेरे परिचितों और साहित्यिक बंधुओं से भी भक्तिन विशेष परिचित है, पर उनके प्रति भक्तिन के सम्मान की मात्रा, मेरे प्रति उनके सम्मान की मात्रा पर निर्भर है और सद्भाव उनके प्रति मेरे सद्भाव से निश्चित होता है। इस संबंध में भक्तिन की सहज बुद्धि विस्मित कर देने वाली है। 1. भक्तिन का स्वभाव परिवार में रहकर कैसा हो गया है ? 2. भक्तिन के पास छात्रावास की छात्राएँ क्यों आती हैं ? 3. छात्राओं के आने में रुकावट न डालने के लिए भक्तिन ने क्या उपाय किया ?	
प्र.-12	**विषयवस्तु पर आधारित किन्हीं चार बोधात्मक प्रश्नों का उत्तर दीजिए**	**10**
1	भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था, वह अपने नाम को क्यों छुपाना चाहती थी?	**3**
2	अर्थशास्त्र, अनीतिशास्त्र कब बन जाता है? 'बाजार दर्शन ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।	**3**
3	चैप्लिन ने सिर्फ फिल्मकला को ही लोकतांत्रिक नही बनाया बल्कि दर्शकों की वर्ग तथा वर्ण-व्यवस्था को भी तोड़ा।	**3**
4	इन्दरसेना को लेखक मेढक-मंडली क्यों कहता है, जीजी के बार–बार कहने पर भी वह इन्दरसेना पर पानी फेंकने को राजी क्यों नहीं होता ?	**1**
प्र.13	**निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर वितान पाठ्यपुस्तक के आधार पर दीजिए** 'सिल्वर वैंडिग'कहानी को ध्यान में रखते हुए परंपराओं और सांस्कृतिक संरक्षकों की वर्तमान में उपादेयता पर अपने विचार प्रकट कीजिए।	**4**
प्र.-14	**निम्नलिखित निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर दीजिए।** 1. 'विषम परिस्थितियों में भी विकास संभव है।''जूझ' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2. 'सिन्धु सभ्यता साधन सम्पन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था।' प्रस्तुत कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?	**4*2=8**